



## एक नज़र

रामा और असंटे के ग्रामीणों ने वोट बहिष्कार का निर्णय लिया वापस।

रांची। रांची लोकसभा क्षेत्र के काहिं विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत चामा और असंटे गांव के ग्रामीणों ने वोट बहिष्कार का निर्णय वापस ले लिया है।

भाजपा के रांची लोकसभा सीट से प्रत्याशी संजय सेठ एवं भाजपा नेता के नेतृत्व में ग्रामीणों के साथ एक बैठक हुई। इसमें संसद संसद सेठ ने ग्रामीणों का साथ एक बैठक हुई। इसमें संसद संसद सेठ ने ग्रामीणों को सुना और रांची के उपायुक्त गुहल कुमार सिंहा से बात की। रांची के उपायुक्त ने चुनाव के बाद समस्या के समाधान का आश्वसन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने एक स्वर में वोट बहिष्कार के निर्णय को वापस ले लिया और चुनाव पर्व में हिस्सा लेने का निर्णय लिया।

## चोरी की गार बाड़क और तीन स्कूटी बरामद, पांच गिरफतार

रांची। शहर की अरगोड़ा थाने की पुलिस ने चोरों के पांच आरोपियों को गिरफतार किया है। इनके पास से चोरी की चार बाड़क और तीन स्कूटी बरामद की गई है। अरगोड़ा थाना प्रधारी अनन्द कुमार मिश्र ने शुक्रवार को बताया कि गुरु सूबा मिली थी कि एक व्यक्ति भरत ट्रेस मैदान के पास चोरी की बाड़क केटीएम 125 सीसी चला रहा है। सूचना के बाद चोरी पदाधिकारी के निर्देशनुसार एक छोटेमारी टीम का गठन हो गया। टीम ने त्वरित कारबाही करते हुए बाड़क चला हुए व्यक्ति को गिरफतार किया। उसकी निशानदी पर अरगोड़ा थाना क्षेत्र और आसपास के अन्य थाना क्षेत्रों से चोरी की चार बाड़क और तीन स्कूटी बरामद की गई।

## 27 मई से रद्द होणा हटिया-झारसुगुड़ा मेमू ट्रेन का परियालन

रांची। रांची रेल मंडल के कुरकुरा ओपरा रेलखंड पर विकास कार्यों की वजह से हटिया-झारसुगुड़ा मेमू ट्रेन का परियालन कुछ दिनों के लिए बदल रहेगा। यह ट्रेन 27, 28, 29 मई, दो, तीन, चार, पांच और नौ जून तक रद्द होगी। ट्रेन कुल आठ दिनों तक रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 08175 हटिया-झारसुगुड़ा मेमू येशल सापाह के साथ दिन हटिया से झारसुगुड़ा जंक्शन तक चलती है। यह ट्रेन जैसे जैसे दिन हटिया से 12:50 बजे निकलती है और 07:55 बजे जारसुगुड़ा जंक्शन पहुंचती है। ट्रेन 08175 हटिया-झारसुगुड़ा मेमू येशल सापाह के साथ दिन हटिया से झारसुगुड़ा जंक्शन तक चलती है। यह ट्रेन रात रेलकोला में सवास लेकर समय तक रुकती है। यह ट्रेन हटिया, बालसीरिंग, लोदमा, कर्का, गोविंदपुर सोड, बकसपुर, पोकला, परका, कुरकुरा, महबुबाह, बनो, कारीओं, टटी परवानिया, आंगा, नवगांग, चरखेकोला, रातकेला, पानपोरा, कलूगा, कश्फल, राजगांगपुर, सोगाखान, मोगरा, गर्वेंग, तगार्मुख, बमरा, धैरवी, यमिली, पानी, धूर, झारसुगुड़ा जंक्शन पर रुकती है।

## पारस हॉस्पिटल में आरएसओवी, एवीआर व पल्मोनरी वाल्व रिपेयर का सफल इलाज



नवीन मेल संवाददाता। रांची एचईसी स्थित पारस अस्पताल में औरगांव बाड़ के रहने वाले 27 वर्षीय एक मरीज (आरएसओवी) रमरमत, एओटिक वाल्व रिपेयरेट (एवीआर) और पल्मोनरी वाल्व रिपेयर कर सफल ऑपरेशन किया गया। परास लेने में कठिनता ही रही थी और वह लगातार खास भी रहा था। पारस हॉस्पिटल के डॉ कुणाल हजारी और उनकी टीम ने चार अप्रैल को सफलतावृद्धक सर्जरी की। सर्जरी के दौरान कई जटिलताएं थीं थीं, जिसे डॉ हजारी ने कुशलतापूर्वक इलाज कर नहीं प्रिया दी। मरीज को 11 अप्रैल को डिस्चार्ज किया गया। इसके तीन सप्ताह के बाद चेकअप के बाद मरीज की स्थिति बहुत ठीक है। हार्ट के चार वाल्व में तीन वाल्व खराब हैं। एक ही वाल्व नॉर्मल था। सर्जरी के बाद चेकअप के बाद मरीज के परिजन इहें पता एस ले गए, जहां इको कार्डिएक्ग्राफी की गई। इसमें आरएसओवी डिस्ट्रेक्ट हुआ, यह एक गंभीर बीमारी है। जाँच में पाया गया कि हार्ट के चार वाल्व नॉर्मल था। सर्जरी के बाद दो वाल्व को चेकअप किया गया वहां, एक वॉक्ट को चेकअप किया गया। एक ही वाल्व में तीन वाल्व खराब हैं। एक ही वाल्व

नॉर्मल था। पटना एस से दिल्ली एस रेफर कर दिया। मरीज एस दिल्ली जा नहीं पाया। मरीज के मामा का 10 साल से बहले ऑपरेशन किया था, उन्होंने मुझसे संबंधित किया। मार्ग की घटले सपाह में मरीज को मेरे पास लाया गया। मैंने इन्हें जल्द अल्ल ऑपरेशन कराने की सलाह दी। अयुष्मान भारत के तहत इह मरीज को सफल सर्जरी की गई। डॉ हजारी ने कहा, मैं लगभग 1997 कार्डिएक्ट सर्जरी करता था। यह एक गंभीर बीमारी है। लोकन, आरएसओवी बीमारी बहुत ही गंभीर और कम ही पाई जाती है।

रावाड़ी महिला सम्मेलन रांची शाखा ने कराया सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण

## जल है तो जीवन है, जल है तो कल है : डॉ प्रभात कुमार



नवीन मेल संवाददाता। रांची अखिल भारतीय रावाड़ी महिला सम्मेलन रांची शाखा ने चासुदेव प्रसाद, अमित कुमार और अंता देवी के संौजन्य से सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण कराया। जिससे कि अस्पताल परिसर में मरीजों को ठंडे पानी की सुविधा मिल सके। इस स्थायी प्याऊ का उद्घाटन सदर अस्पताल के सिविल संजन डॉ प्रभात कुमार ने नियरियल फोड़कर एक पूजा-अर्चना कर की। एवं लाडू प्रसाद का भोग लगाया गया। इस अवसर पर डॉ प्रभात कुमार ने रावाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा किए जा रहे हैं। जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा। उन्होंने कहा कि जल है तो जीवन है, जल है तो कल है।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सदर अस्पताल में स्थायी प्याऊ का निर्माण होने से मरीजों एवं सभी लोगों को शुद्ध पीने का ठंडा पानी मिलेगा।

जनसेवा कार्यों की भूमि भ





## एक नज़र

हेल में 1 जून को मंडा पूजा मनाने का निर्णय, तैयारी शुरू बरकाकान। हेल स्थित मंडाटांड शिव मंदिर के प्रभंग में गुरुवार को बैठक संबंध हुई। बैठक में हर वर्ष का तोत इस वर्ष भी हव्यास के साथ मंडा पूजा धूमधाम से मनाने का नियम लिया गया। बैठक वाद मंडा पूजा की तैयारी को लेकर रूपरेखा तैयार किया गया। बैठक की अध्यक्षता वार्ड 19 के वार्ड पार्षद प्रभंग शर्मा और सचिवन समिति के अध्यक्ष उत्तरेश्वर सिंह ने किया। बैठक में समिति अमन रंजन ने कहा कि हेल गाँव में पूर्वज बाची सौ वर्ष से मंडा पूजा मनाते आ रहे हैं। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 23 जून को डाग, 24 जून को पट्टपांडी, 30 जून को उत्तरी और लोटन जून, 1 जून गरिल लोटन सेवा के साथ तैयारी में छल नुत्य और 2 जून की सुबह फूलखुदी व बनस झूला के साथ मेला का समापन होगा।

## सुईयाडी मिनरल एंड

## स्टील से हुई हजारों की

## सीट और सामान की चोटी

गिरी। सुईयाडी हस्तिन वंद

जीआरएस मिनरल एंड स्टील

मेटल में एसवेस्ट सीट और

समान की चोटी हो गई है।

जीआरएस मिनरल एंड स्टील

एंड मेटल के रामराज पाल ने

इसकी सूचना गिरी पुलिस को

दी है। जिसमें रामराज पाल ने

बताया कि जीआरएस

मिनरल का पूरा एसवेस्ट

सीट उड़ गया था। इसकी

जानकारी मिली जो तो वे बहां

गए तो देख की पूरा सीट तेज

हवा में उड़ गया है और 45

सेट में से 30 सीट भी गयब

हैं। साथ ही जीआरएस

मिनरल के रामराज पाल को

तोड़कर उसमें अदर में लगे

मेटर, रोलर, बेल्ट, मेगेनिट

मशीन आदि सामान की भी

चोटी कर ली गई है। रामराज

पाल ने बताया कि जीआरएस

मिनरल में चोटी होने से

हजारों की नुकसान हुआ है।

जलते अंगरों पर चलकर ग्रामीणों ने दी आस्था और भक्ति की परीक्षा

गिरी। रिक्वां गाँव मंडा टांड

गाँव मौर्य परिसर में गुरुवार को

आस्था और भक्ति की अंग मंडा

पूरे हर्ष और उत्साह के साथ

मनाया गया। इसमें शिवधर्मों ने

सर्वप्रथम में दिन भर उपवास

रखा। इसके बाद में लोटन सेवा

किया गया और सोकाइटी ने

कलश के लिए लोटन शिव

मंदिर की परिक्रमा किया। पर भगवान

शिव-पार्वती की पूजा अर्चना

किया गया। इसके बाद 115

भोता और सोकाइटी ने जलते

अंगरों पर चल फूलकुटी कर

आस्था और कठिन भक्ति का

परिक्रमा दिया। इसके पहले

मिश्राइनोंदा के मुखिया वासी

मरांडी और पंसर महतो

आदि ग्रामीणों ने छल नुत्य

और आकर्षक नुत्य कर लोगों का तरा

भर मोर्योंने किया। इसके पहले

मिश्राइनोंदा के ग्रामीणों

मरांडी और पंसर महतो

आदि ग्रामीण लोगों ने छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लोगों की फूलकुटी कर

जलते अंगरों को छल नुत्य

कर लो



## एक नज़र

प्रभारी चिकित्सा  
पदाधिकारी ने बूथों पर  
स्वास्थ्य व्यवस्था को  
लेकर की समीक्षा बैठक  
घाटिला। लोकसभा चुनाव  
को लेकर बूथ पर स्वास्थ्य  
व्यवस्था चुनून-दुरुसंग रोड  
लेकर शुक्रवार को अनुमंडल  
अस्पताल घाटिला के प्रभारी  
चिकित्सा पदाधिकारी डॉ  
आरेन सोरेन ने समीक्षा बैठक  
की। बैठक की मौजूद अनुमंडल  
अस्पताल के चिकित्सकों के  
अलावा स्वास्थ्य कर्मी, एनएम  
तथा सहिया मौजूद रहे हैं। डॉ  
आरेन सोरेन ने बताया कि  
प्रत्येक बूथ पर चिकित्सक की  
व्यवस्था की गयी है। हालांकि  
चिकित्सकों की कमी के कारण  
10 से 20 बूथ पर एक  
चिकित्सक तैनात रहेंगे। वहीं  
हर बूथ पर सहिया, एनएम  
तथा स्वास्थ्य कर्मी दबा के  
साथ तैनात रहेंगे। सभी को  
निर्देश दिया गया है कि कथा को  
केंद्र में स्वास्थ्य व्यवस्था को  
लेकर किसी तरह की कोई  
कोताही ना हो। तत्काल  
मतदाता या मतदान कर्मी को  
आपम तथा इसकी व्यवस्था  
की गयी है। बैठक में मुख्य  
रूप से डॉ आरेन डॉ देव  
महतो, हिंगा राज, डॉ मुलानी  
हांसदा, डॉ विकास मार्डी सहित  
अन्य अनुपस्थित थे।

## अग्निशमन वाहन

## चालक का निधन

चाईबासा। अग्निशमन वाहन

चालक मुकरू होनहारा (56

वर्ष) का निधन हो गया। वे

मूल रूप से चाईबासे के रहने

वाले थे। वे वर्ष 2022 से

मानगो फायर स्टेशन में

अपनी सेवा दे रहे थे। 15

दिनों से उनकी तबीयत

खराब थी। उनका इलाज

एमजीएम अस्पताल में चल

रहा था। वोते दिनों अनानक

उनकी तबीयत खराब हो गई

जिसके बाद उन्हें इलाज के

लिए एमजीएम अस्पताल में

भर्ती कराया गया था वहाँ

गुरुवार को इलाज के दौरान

उनका निधन हो गया। इधर,

उनकी मौत से विभाग में

शोक की लहर है। फायर

स्टेशन इंवार्न ब्रज किसीर

पासवान ने बताया कि दो

साल पूर्व ही मुकरू ने मानगो

फायर स्टेशन में अपनी सेवा

दी थी। उनके निधन से पूरा

विभाग शोक में है।

मेरालगढ़ा जंगल से अज्ञात

व्यक्ति का शव बरामद

पश्चिमी सिंहभूमि। पश्चिमी

सिंहभूमि जिले के गोइलकेरा

थाना क्षेत्र स्थित मेरालगढ़ा

जंगल से शुक्रवार को एक

अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण

जंगल में थे और उनके

पालिंग घटनास्थल पर

पूर्वी दिन बरामद

हुआ। जानकारी की अनुसार,

शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीण</p

**अतुलनीय है सेना का योगदान  
हमें सहयोग करना चाहिए**

हमारे सैनिक हमारे देश भारत के लिए गर्व हैं, जो न सिर्फ बाहरी सुरक्षा, बल्कि आंतरिक उथल-पुथल के समय में भी देश के लिए जान देने को तैयार रहते हैं। हम सब इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि आजादी के बाद से ही हमारे सैनिक लगातार युद्ध जैसी स्थितियों को झेल रहे हैं। दुश्मन के खिलाफ सैन्य अधियानों में या खतरनाक मौसमी स्थितियों-बाढ़, भू-स्खलन आदि में आम नागरिकों की मदद करते हुए हमारे जवान कभी-कभी जीवन भर के लिए विकलांगता के भी शिकार हो जाते हैं। लेकिन यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि देश सेवा की पुकार पर अपना जीवन दांव पर लगाने वाले हमारे जवानों के परिजनों को अपना बकाया पाने के लिए कभी-कभी दर-दर भटकना पड़ता है, खासकर ऐसे मामलों में, जिनमें सैनिकों को बलिदान के बदले उनकी वीरता के लिए खूबसूर, पेट्रोल पंप आदि जैसी चीजें पुरस्कार स्वरूप दी जाती हैं। लेकिन इससे भी बदतर स्थिति उन जवानों की होती है, जो अपना कर्तव्य निभाते हुए विकलांग हो गए हैं तथा जिन्हें न केवल नौकरशाही की अड़गेबाजी के कारण विकलांगता पेंशन एवं अन्य लाभों से वंचित कर दिया गया है। बल्कि दिल्ली स्थित उनके संबंधित मुख्यालय में बैठे उनके अपने ही तथाकथित सैन्य बंधुओं तथा कानूनी निकायों की वजह से भी उनकी स्थिति बदलाव हो जाती है। वर्ष 2020 में राज्यसभा में पूछे गए एक प्रश्न के अधिकारिक जवाब में बताया गया था कि वर्ष 2020 में ऐसे कानूनी मामलों पर 26 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए थे। यह उस प्रवृत्ति का हिस्सा है, जो पिछले कुछ वर्षों से चली आ रही है। रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 2013-2014 में ही, भारतीय वायुसेना के पास सबसे अधिक मामले (2,683) थे, जिसकी कानूनी सुनवाई पर सात करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए थे, जबकि नौसेना ने उत्तर भारत में अपने ही कर्मियों के खिलाफ मुकदमा लड़ने के लिए 69 लाख रुपये खर्च किए थे और थल सेना ने 11.50 लाख रुपये खर्च किए थे। यह पैसा उन लोगों को लाभ से रोकने के लिए वकीलों को दिया गया, जिन्होंने विकलांगता लाभ या पेंशन के लिए सास्त्र बल न्यायाधिकरण (एफटी) का द्वारा खटखटाया था। इसमें कोई आश्वर्य की बात नहीं है कि उच्चतम न्यायालय ने हमारे सैन्य कर्मियों को उनका उचित हक देने से वंचित रखने की खातिर अत्यधिक मुकदमेबाजी का सहारा लेने के लिए सैन्य सेवा मुख्यालय को फटकार लागाई है। इसके अलावा, रक्षा मंत्री द्वारा संसद में दिए गए एक लिखित बयान के अनुसार, कुछ समय पहले सुप्रीम कोर्ट में लगभग 60 सिविल अपीलें वापस ले ली गईं, जिनमें से 17 विकलांगता पेंशन के लिए थीं। ये तथ्य दर्शाते हैं कि कानूनी विभागों (जैसे सेना के मामले में जज एडवोकेट जनरल शाखा) ने रक्षा मंत्रालय का पैसा बचाने का निर्णय लिया है। वे किसी सैनिक को उन लाभों से वंचित करना चाहते हैं, जो उन्हें सैन्य जीवन के बाद विकलांगता से उबरने में मदद कर सकते हैं, जिसका शिकार वे अक्सर कठिन परिस्थितियों में सैन्य अधियान या सेवा शर्तों से गुजरते हुए हो जाते हैं। रक्षा मंत्रालय इन न्यायिक निकायों के माध्यम से उच्च अदालतों में मुकदमा लड़ने के लिए, कानूनी फीस के भुगतान के लिए, विकलांग लोगों को सेवा के दौरान विकलांग होने के कारण उनके हक से वंचित करने के लिए भारी मात्रा में धन खर्च करता है। और इससे भी बुरी बात यह है कि धायल सैनिक इस बारे में बहुत कम जानते हैं कि चिकित्सा अधिकारी अपनी रिपोर्ट में उनके बारे में क्या लिखते हैं, क्योंकि वे अपनी चोटों से उबरने के लिए किसी क्षेत्रीय अस्पताल में अर्ध-चेतन अवस्था में पढ़े होते हैं। ऐसी रिपोर्ट है कि बाद के वर्षों में उन्हें विकलांगता का लाभ पाने के लिए कठिन संघर्ष करना पड़ता है, क्योंकि उन्हें अपनी अक्षमताओं को साबित करने के लिए एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में दर-दर भटकना पड़ता है। दुख की बात है कि विचित्र कानूनी पेच का शिकार हुए लोगों के अलावा केवल कुछ ही सैनिक इस तरह के अन्याय के बारे में जानते हैं। यह तो और भी दुखद है कि सैन्य मुख्यालय और सेना के उच्च अधिकारियों ने इस व्यवस्था को बदलने में जरा भी सुच नहीं दिखाई है।

पुणे हाट एड रन मामल के बाद एक बार फिर पूरे देश में इस संबंधी कानून और नियंत्रण पर नई बहस छिड़ गई है। इस दर्दनाक घटना के आरोपित को नावालिंग बताकर कानून की जलापियाँ गयीं।

दुर्घटना पर कानून का खामया या कमियां, दोनों का भरपूर लाभ दिया गया। वह तो देशव्यापी जन आक्रोश को देखकर फैसला बदला गया वरना जिम्मेदारों ने तो अपना फर्ज निभा ही दिया था। निश्चित रूप से ऐसे मामले चर्चाओं में क्यों आते हैं बिना कुछ कहे सब एकदम साफ है। अब एक बार फिर कानून में सुधार पर नए सिरे से सोचना होगा। आरोपित की मंशा और दुर्घटना की परिस्थितियों तथा यदि उपलब्ध है तो डिजिटल साक्ष्य को ध्यान में रख कार्रवाई के लिए प्रभावी व पारदर्शी सुधारों की दिक्कार महसूस होने लगी है। यह यकीन बड़ी चुनौती है लेकिन दोष-निर्दोष और अनजान हुई दुर्घटना के बीच की महीन लकीरों को बिना मिटाए या प्रभावित किए, प्रभावी कार्रवाई चुनौती भी है और जरूरी भी। पुणे दुर्घटना में अकाल मृत्यु के आगोश में समाए 24-24 बरस के अनीस अवधिया और अशिवनी कोस्टा तो वापस नहीं आएंगे लेकिन दुर्घटना उपरान्त पूछताछ के नाम पर पुलिसिया सवालों से आहत पीड़ित परिवार का दर्द जरूर बड़ा सवाल है। जिम्मेदारों और माननीयों को इस पर भी सोचना होगा। वहीं बड़ा सवाल उस बिगड़ैल रझसजादे का है जिसे नाबालिंग होते हुए भी पिता ने महंगी गाड़ी चलाने को कैसे दी? जबकि पता था कि न रजिस्ट्रेशन है और न औलाद के पास लाइसेंस। इसे अमीरी का रुठाका कहें या व्यवस्थाओं पर तमाचा जो पुणे जैसे शहर में पैसों की खुमारी से नाबालिंग बिना नंबर की गाड़ी 200 किलोमीटर की रफ्तार सड़क पर चला नहीं उड़ा रहा था? आखिर दो बेकुसरों को उड़ाने का दोषी सिर्फ नाबालिंग ही नहीं उसका पिता भी बराबर का है! ऐसे हिट एंड रन देश में चर्चाओं में रहते हैं। दो-चार दिन हो-हल्ला के बाद शांत भी हो जाते हैं। लेकिन न तो दुर्घटनाएं रुकती हैं और न



ही सङ्कों पर वाहन दौड़ाने वाले ईसों में कोई डर दिखता है। हाँ, साधारण लोग जरूर कानून, कायदे के जंजाल में फंस जाते हैं या फंसा दिए जाते हैं, क्योंकि वो ईस नहीं होते। यहाँ कानपुर के उस मामले के भी चर्चा जरूरी है जिसमें एक नामी डॉक्टर के केवल 15 बरस के नाबालिग औलाद ने अक्टूबर 2023 में तेज रफ्तार गाड़ी चलाते हुए सागर निषाद और आशीष रामचरण नाम के दो बच्चों को रैंडकर मार डाला। कानून का माखौल कहें या जिम्मेदारों की छरछाया जो दोबारा 31 मार्च 2024 को इसी बिगड़ैल ने 4 लोगों के ऊपर फिर कर चढ़ा दी। तब भी कानूनी खानपूर्ति में मामूली धाराओं में पुलिस ने प्रकरण बनाया और आरोपी बेलगाम घूमता रहा। लेकिन पुणे की घटना के बाद शायद पुलिस की आत्मा जागी या डरी पता नहीं, दोनों मामलों पर एकाएक सख्त कार्रवाई करते हुए आरोपित नाबालिग और उसके डॉक्टर पिता को भी 6-7 महीने बाद आरोपी जरूर बना लिया। हैरानी की बात है कि तब भी वही कानून थे और अब भी वही कानून हैं। लेकिन पुलिस का रवैया अलग-अलग विचारणी है? पुणे घटना का एक दूसरा पहलू भी है। आरोपी नाबालिग ने दोस्तों संग दो पब्बों में 69 हजार रुपयों का जाम छलकाया जिसके सुबूत भी मिले। लेकिन हैरानी है कि मैटिकल रिपोर्ट निगेटिव आई? अब पुणे में अवैध पब ढहाएं जा रहे हैं, यह जिम्मेदारों को पहले क्यों नहीं दिखे? कैसे नाबालिगों को शराब परेसी गई? कानून की धन्जियों उड़ाने वाले सवालों की शृंखला में कई कड़ी हैं। दुर्घटना करने वाली दो करोड़ से ज्यादा की पोर्स कार के रजिस्ट्रेशन के बारे में महाराष्ट्र ट्रांसपोर्ट विभाग का

कर देने वाला खुलासा सामने आया। महज 1,758 रुपये की फीस नहीं चाही जाती थी और विभाग खामोश। अब यह जारी रखने से कार का रजिस्ट्रेशन मार्च तक बढ़ जाएगा। लेकिन यह क्यों नहीं कोई बताया जा रहा है कि आरोपित का ड्राइविंग लाइसेंस उम्र 25 साल पूरा होने तक नहीं दिया जाएगा। बनाना लाइसेंस रईसजादा कैसे साझा करें? बेखोफ होकर फरार्ट भर रहा था लाइसेंस वालों को लाइसेंस की जस्तरी होती? क्या रईसजादों पर उम्र व्यवस्था नहीं होती? कानून के रक्षकों वे लाइसेंस दियी दोहरे रवेंद्रे से रईस नाबालिग लाइसेंस हट दें एंड रन के हैरान करने वाले ने सामने आते हैं जो आम लोगों ने नहीं देखा जाता है। लगता नहीं विश्वास वाध की गंभीरता देखी जानी चाहिए। अपराध की गंभीरता और मंशु वापर हो जानक है। लूटपाट, हत्या, गैंग रैप जिनका नामांकन और वो साइबर अपराध जिनका वक्त नाबालिग कैसे बड़ों-बड़ों के देता है। तब उसका अपराध लिया जाना और वो कारण छूट का कारण हो सकता है? भारत में सदृश नाओं के आंकड़े चिंताजनक हैं। अन्त तक 2022 के आंकड़ों का विशेषण तो रोजाना 1264 साइक दुर्घटनाओं की जाती है। 62 लोगों की मृत्यु हुई जो हार घंटे लिहाज से 53 दुर्घटनाओं तथा 11 कानून का है। यह विस्तार से लिखने वाले का विवर है। उन्तत तकनीक का दौर है। गंग और अपॉन्टिकल फाइबर के जंजार एटोलब्रिज पर फास्टट्रैग से भ्रमित वाहन के सारे डिटेल्स सर्व ब

चद सकड़ में भिल जात है। अब असंभव भी नहीं कि हर शहर, कस्बे, सड़क, राजमार्ग पर इसी तर्ज पर आर्टिफिशियल इंटीलिजेंस यानी एआई संचालित हाई रिजॉल्यूशन स्पीड ट्रैप कैमरे, सेंसर व जरूरी उपकरण लगें, भीड़-धाड़ वाली जगहों पर वक्त-बेवक्त ड्रोन कैमरों से सतत निगरानी हो। साग कुछ जिम्मेदार विभाग या शहर, नगर, कस्बे, पंचायत व स्थानीय पुलिस थानों में बड़े स्क्रीनों पर देखा जा सके। पुलिस को बजाए सड़कों पर खड़ा करने नियंत्रण कक्ष से ही सारी गतिविधियां ऑन कैमरा परखी और जांची जाएं। एआई तकनीक का ऑटोपैटिक अलार्म सिस्टम भी संदिग्ध, ओवर स्पीडिंग, बिना नंबर, बिना हेल्मेट, या बिना सीट बेल्ट लगाए वाहन निष्पक्षता व पारदर्शिता से ऐप कर पलक झपकते चाहे शहर हों या राजमार्ग, सारी सूचनाएं सर्वर, करीबी गश्ती दल, थाने या नाके तक पहुंचाएं। जरा सी भी आशंका पर अगले ठिकाने में संदिग्ध या कानून तोड़ता वाहन भी डिजिटल प्रमाणों के चलते जद में होगा। ऐसी निगरानी का भरपूर प्रचार हो ताकि सड़कों पर सबको पता हो कि वो तकनीक के जद में है। महानगरों की तर्ज पर ऐसे संसाधनों का इस्तेमाल एक बार के निवेश जैसा है जिसे थोड़े से बजट से हर महीने मेट्रेन या अपडेट किया जा सकेगा। लगता नहीं कि यह अत्याधुनिक तकनीकों का दौर है। नियंत्रण कक्षों में उन्नत यंत्रों से आ रही सूचनाओं के देखना, जांचना और कार्रवाई संबंधी प्रणाली विकसित करना चाहिए ताकि कोई भी बेखौफ, रसूखदार, नशेड़ी, अपराधी एआई की निगाह से न बच पाए। रिकॉर्ड का नियमित उच्च स्तरीय ऑडिट, जांच-परख भी हो ताकि भेदभाव की गुंजाइश न रहे। यकीनन संजय रूपी तीसरों आंख बिना भेदभाव काम करेगी जिसकी जद में सब होंगे तो क्या राजा, क्या रंक सबको अपनी हादों या औकात का पता होगा। लगता नहीं कि बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं या हिट-एंड-रन को रोकने के लिए यही सस्ता, प्रभावी और निष्पक्ष उपाय ही कारगर हो सकता है? (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

त्र हम इमल कर सकत ह-[article.rnmail@gmail.com](mailto:article.rnmail@gmail.com)

# जल-संकट चुनाव जीतने का नहीं, समाधान का माध्यम बने

प्रत्यक्षा, कनाटक आदि प्राता म पाना के लिये त्राहि-त्राहि मची है। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले महर-खुवा गांव में जल-संकट की तस्वीरें भायावह एवं डराने वाली हैं। इस गांव में लगभग 100 आदिवासी परिवार रहते हैं, जिनके पास अब इतना भी पानी नहीं बचा है कि ये दिन में दो बक्क का खाना बना सकें और अपनी प्यास बुझा सकें। ऐसे हजारों गांव हैं, जहां पानी के अभाव में जीवन संकट में हैं। भारत अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। लोकसभा चुनाव अन्तिम चरण की ओर अग्रसर है, आज हमारे उम्मीदवार मुफ्त बिजली और पानी देने का वादा करके चुनाव तो जीत जाते हैं लेकिन भारत में जिस तरह पानी का

जल-संकट चुनाव  
जीतने एवं राजनीतिक  
हिस्सा तो है, लेकिन  
समाधान का नहीं। जल  
संकट ने राजनीतिक रंग  
तो ले लिया है, विभिन्न  
राजनीतिक दल एक-दूसरे  
को दोषी ठहरा रहे हैं और  
पिस रहा आप आदमी।

कथनी और करनी की असमानता ही बार-बार उजागर होती है। जल-संकट चरम प्रकाष्ठा पर है, एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब पैसा देकर भी पानी खरीदना मुश्किल हो जाएगा। जल-संकट दुनिया जीने एवं राजनीतिक व्यानवाजी का हिस्सा तो है, लेकिन समाधान का नहीं। जल संकट ने राजनीतिक रंग तो ले लिया है, विभिन्न राजनीतिक दल एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं और पिस रहा अम आदमी। पैसे वालों के लिए



**स्वर्ण मंदिर अमृतसर का इतिहास और अन्य जानकारी**

अमृतसर का इतिहास करीब 400 साल पुराना है।



The image shows a social media post from the account 'swami.vivekananda\_th...'. The post features a quote in Hindi:

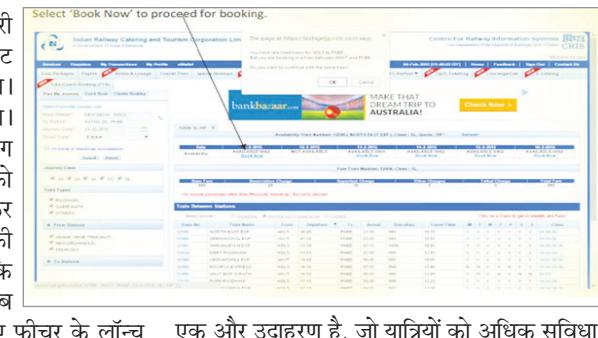
जो हो रहा है  
होने दो क्योंकि ईश्वर ने तुम्हारी  
सोच से बेहतर तुम्हारे लिए  
सोच रखा है...!

Below the quote is a portrait of Swami Vivekananda wearing an orange turban and red clothing. At the bottom left, there are icons for likes, comments, and shares. The post has received 2,034 likes and is part of a 'swami.vivekananda\_thoughts Day 22/365 Challenge... more' series. It also includes a link to view all 6 comments.

Digitized by srujanika@gmail.com

उत्तराखण्ड में चारधाम यात्रा आ रही हैं, वे सचमुच डराने वाली बद्रीनाथ के दर्शन करता है, उसे उदय

कुप्रबधन का शिकार हो गई है। स्थिति अत्यंत खराब होने लगी तो ह। गगत्रा और यमुनोत्री धाम में यातायात व्यवस्था कुछ हद तक पटरी पर लौटी है। फिर भी उत्तरकाशी से गंगोत्री धाम (105 किलोमीटर) तक पहुंचने में तीर्थयात्रियों को सात घण्टे लग रहे हैं। यमुनोत्री धाम में पैदल यात्रा मार्ग पर तीर्थयात्रियों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने धारा 144 के तहत आदेश जारी किए थे। घोड़ा-खच्चर व पालकी की संख्या निश्चित समय अंतराल के लिए तय की गई है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बद्रीनाथ धाम को सूष्टि का आठवां वैकुंठ भी कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि यहां भगवान विष्णु छह महीने विश्राम करने के लिए आते हैं। साथ ही केदारनाथ धाम में भगवान शंकर विश्राम करते हैं। बद्रीनाथ में दो पर्वत हैं, जिन्हें नर और नारायण नाम से जाना जाता है। वह भगवान विष्णु के 24 अवतारों में से हैं। शास्त्रों में बताया गया है कि चारधाम यात्रा करने से व्यक्ति को जीवन और मरण के चक्र से मुक्ति प्राप्त हो जाती है। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति एक बार भी यान गंभ में नहीं जाना पड़ता है कि केदारनाथ ज्योतिलिंग का पूजन करने के बाद जो व्यक्ति जल ग्रहण कर लेता है, उसे दोबारा जन्म नहीं लेना पड़ता है। निःसंदेह, धार्मिक पर्यटन उत्तराखण्ड प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ा संबल प्रदान करता है। बावजूद इसके पक्ष की अनदेखी की गई। सवाल यह है कि चारधाम यात्रा में अव्यवस्था क्यों हुई? चारधाम यानी यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ जी की यात्रा शुरू होने के बाद इस बार पिछले वर्ष की तुलना में संख्या इतनी अधिक हो गई जिसके लिए प्रशासन तैयार ही नहीं रही था। चारधाम यात्रा के दौरान भारी भीड़ के सामने प्रशासन भी लाचार हो गया है। ऋषिकेश में सभी होटल बुक हैं और यात्रियों को रात गुजारने के लिए भी जगह नहीं मिल रही है। प्रशासन ने ऋषिकेश में ठहरे तीर्थयात्रियों के लिए ट्रॉजिट कैप में हैंगर व टेट के अलावा धर्मशालाओं, स्कूलों तथा वेंडिंग प्लाइट में ठहरने की व्यवस्था की है (ये लेखक के निजी विचार हैं।)



नीकी सुविधाएँ भी दिल ऐप के माध्यम से उठते हैं। यह फीचर है, जो जल्दी में बनाते हैं। यह नया प्रदान करने के लिए लाया गया है। इससे न कवल यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना को सम्पन्न करने में मदद मिलेगी, बल्कि भारतीय रेलवे के सुविधाएँ भी मोबाइल एंट्रोफार्म पर उपलब्ध कराने का एक और कदम होगा।

# मुसलमानों की 77 जातियों को रातों रात ओबीसी बना दिया : प्रधानमंत्री

- इंडी गठबंधन ने ओबीसी के हक पर डाका डाला और संविधान की धर्जियां उड़ा दी।
- बांगल की सीएम ममता सीधे-सीधे कोर्ट के फैसले को मानने से इनकार कर रही है।
- वोट बैंक के आगे इंडी गठबंधन के लिए अदालत और संविधान कोई मायने नहीं रखता।



एजेंसी। शिमला

हिमाचल प्रदेश के शिमला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर जमकर हमला बोला। इस दौरान पीएम मोदी ने अन्य पिछड़ा वर्ग के आकर्षण को टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि इन्होंने मुसलमानों की 77 जातियों को ओबीसी का हक उनको दे दिया था। कोर्ट ने ममता को संबोधित से लिया। इन 77 मुस्लिम जातियों को नौकरी, पढ़ाई में हर जगह मतभाव मिल रही थी। ऐसा करके इंडी गठबंधन ने ओबीसी के हक पर डाका डाला और संविधान की धर्जियां उड़ा दी। अब कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले के बाद इंडी गठबंधन ने बांगल की कमज़ोर सरकार दुनिया में खुगर लगाती रही। इनका सबसे सगा अगर कोई है,

77 जातियों को इंडी गठबंधन

वालों ने रातों-रात ओबीसी बना दिया था और ओबीसी का हक उनको दे दिया था। कोर्ट ने ममता को संबोधित से लिया। इन 77 मुस्लिम जातियों को नौकरी, पढ़ाई में हर जगह मतभाव मिल रही थी। ऐसा करके इंडी गठबंधन ने ओबीसी का हक पर डाका डाला और संविधान की धर्जियां उड़ा दी। अब कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले के बाद इंडी गठबंधन वाले बौखलाए हुए हैं। बांगल की मुख्यमंत्री तो सीधे-सीधे कोर्ट के फैसले के बाद इंडी गठबंधन वाले बौखलाए हुए हैं। जबाबद की कमज़ोर सरकार दुनिया में खुगर लगाती रही। इनके लिए संविधान और अदालतें कोई मायने नहीं रखती। इनका सबसे सगा अगर कोई है,

आजम, तंजीम फातिमा और अब्दुल्ला को हाईकोर्ट से राहत, तीनों को मिली जमानत

प्रयागराज। सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान के परिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने फैसले के मिजाज के साथ में आजम खान और उनकी पत्नी तंजीम फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम के जमानत दे दी है। इसके साथ ही आजम खान की सजा पर रोक भी लार्ड है। न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने आजम खान, तंजीम और अब्दुल्ला आजम की जमानत मंदिर कर ली है और आजम खान की सजा का आदेश स्थिति कर दिया है। वह फैसला आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर सुनाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद 14 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने बताया कि, राज्य सरकार की तरफ से महाधिवक्ता अजय कुमार मिश्र ने भी मामले में बहस की थी।

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

अच्छे काम के लिए रास्ते बना लें। अपने हित के काम सुख-सुखरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमज़ोर बना रहेगा।

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ होगी।

अपेक्षा काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

समाज में मान-सम्मान बढ़ावा दें। आपने जिम्मेदारी बढ़ावे के आसार देखें। अपने काम को प्रायोगिकता से कर। वित्तीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से आगमन होगा। पुरानी कार्यों का पश्चात्याप होगा।

विद्यार्थियों को लाभ। दास्ताव जीवन सुखद रहेगा।

वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचौत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बरतें।

परिवारजन का सहयोग व समर्थन काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ावा देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

शक्तिगिक कार्य आसानी से पूरे होने रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से वहीं दिता रहेंगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक होगी। नौकरी में पदवोंका ने संभानी होगी।

मित्रों से साथान रहें। शारीरिक सुख के लिए ल्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होगे।

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उड़ान में रुपी धैरा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोत्तरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा।

दिन-भर का माहौल आंडारपर्स और व्यव्याकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहानी गलती में तात्पुरता और व्यवसायी सम्बन्धों में सम्मान मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न होगा। स्विवेक के लिए कुछ लोगों का अन्यथा हानि संभव है। अचल संपत्ति के लिए एक अद्वितीय व्यवसाय का साधारण बदला।

घर के सदस्य मदद करें और साथी भी अर्थिक बदला से भी मुक्ति मिलें। लोगों के समाज में सम्मान मिलेगा।

प्रतिष्ठा बढ़ावा लाने की स्थिति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। जीवन-दिवान की वृद्धि होनी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मानोरय सिद्धि का योग है।

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। सामान-सम्मान में वृद्धि होगी।

अपनों का साथी अवरोध दूर होगा।

प्रतिष्ठा बढ़ावा लाने की स्थिति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। जीवन-दिवान की वृद्धि होनी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मानोरय सिद्धि का योग है।

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। सामान-सम्मान में वृद्धि होगी।

अपनों का साथी अवरोध दूर होगा।

प्रतिष्ठा बढ़ावा लाने की स्थिति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। जीवन-दिवान की वृद्धि होनी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मानोरय सिद्धि का योग है।

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। सामान-सम्मान में वृद्धि होगी।

अपनों का साथी अवरोध दूर होगा।

प्रतिष्ठा बढ़ावा लाने की स्थिति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। जीवन-दिवान की वृद्धि होनी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मानोरय सिद्धि का योग है।

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। सामान-सम्मान में वृद्धि होगी।

अपनों का साथी अवरोध दूर होगा।

प्रतिष्ठा बढ़ावा लाने की स्थिति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। जीवन-दिवान की वृद्धि होनी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मानोरय सिद्धि का योग है।

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। सामान-सम्मान में वृद्धि होगी।

अपनों का साथी अवरोध दूर होगा।

प्रतिष्ठा बढ़ावा लाने की स्थिति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। जीवन-दिवान की वृद्धि होनी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मानोरय सिद्धि का योग है।

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। सामान-सम्मान में वृद्धि होगी।

अपनों का साथी अवरोध दूर होगा।

प्रतिष्ठा बढ़ावा लाने की स्थिति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। जीवन-दिवान की वृद्धि होनी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मानोरय सिद्धि का योग है।

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। सामान-सम्मान में वृद्धि होगी।

अपनों का साथी अवरोध दूर होगा।

प्रतिष्ठा बढ़ावा लाने की स्थिति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। जीवन-दिवान की वृद्धि होनी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मानोरय सिद्धि का योग है।

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। सामान-सम्मान में वृद्धि होगी।

अपनों का साथी अवरोध दूर होगा।

प्रतिष्ठा बढ़ावा लाने की स्थिति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। जीवन-दिवान की वृद्धि होनी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मानोरय सिद्धि का योग है।

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। सामान-सम्मान में वृद्धि होगी।

अपनों का साथी अवरोध दूर होगा।

प्रतिष्ठा बढ़ावा लाने की स्थिति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। जीवन-दिवान की वृद्धि होनी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मानोरय सिद्धि का योग है





